



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 592] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 8, 1989/कार्तिक 17, 1911  
No. 592] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 8, 1989/KARTIKA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विस्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

विदेश-कर खंड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1989

आय-कर

ना. का नि. 969(अ) — भारत गणराज्य की सरकार और संयुक्त  
श्रम समीक्षा की सरकार के बीच अन्तरराष्ट्रीय धातु परिवहन से प्राप्त  
आय के दोहरे कराधान के परिवर्जन के लिए उपाय करार दोनों संबिदा-  
कारी राज्यों द्वारा एक-दूसरे को उक्त करार के अनुच्छेद 6 की अपेक्षाानुसार  
उनकी अपनी-अपनी विधियों द्वारा अपेक्षित प्रक्रियाओं के पूरा हो जाने की  
अधिसूचना पर 1-12-1989 को प्रवृत्त होगा;

अब, अतः केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 90 और कंपनी (लाभ) अधिनियम, 1964 (1964  
का 7) की धारा 24क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश  
देती है कि उक्त करार के सभी प्रावनों का अन्तर्गमन में कर्तव्य  
किया जाएगा।

उपाध्यक्ष

भारत गणराज्य की सरकार

और

संयुक्त श्रम समीक्षा की सरकार

के बीच

अन्तरराष्ट्रीय धातु परिवहन से प्राप्त होने वाली आय पर  
दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार

भारत गणराज्य की सरकार और संयुक्त श्रम समीक्षा की सरकार,  
अन्तरराष्ट्रीय धातु परिवहन से प्राप्त होने वाली आय पर दोहरे  
कराधान के परिहार के लिए एक करार सम्पन्न करने की इच्छा से  
नीचे लिखे अनुसार सहमत हुई है।—

अनुच्छेद—1

करार के अन्तर्गत आने वाले कर

1. यह करार जिन कर्मों पर लागू होगा, वे निम्नानुसार हैं —

(क) संयुक्त श्रम समीक्षा के मामले में, आय-कर, जो संयुक्त श्रम  
समीक्षा की मधीय सरकार द्वारा लगाया जाय (जिसे एनवपस्थात्

“संयुक्त अरब अमीरात कर” के रूप में उल्लिखित किया गया है।

(ख) भारत के मामले में :—

(i) आयकर, जिसमें उस पर लगने वाला कोई भी अधिभार शामिल है; और

(ii) घनिकर।

(जिन्हें एतद्वारा “भारतीय कर” के रूप में उल्लिखित किया गया है।)

2 यह करार आय पर उल्लेखनीय ऐसे किसी भी समरूप अथवा पर्याप्ततः उसी प्रकार के करों पर भी लागू होगा, जो दोनों संबिदाकारी राज्यों में से किसी भी संबिदाकारी राज्य द्वारा संघीय अथवा राज्य स्तर पर, इस अनुच्छेद के पैराग्राफ 1 में उल्लिखित करों के प्रतिस्ति अथवा उनके बदले में लगाए जाएंगे। दोनों संबिदाकारी राज्यों के सक्षम प्राधिकारी अपने-अपने करारधान कानूनों में किए गए किसी भी प्रकार के महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में एक-दूसरे को अधिसूचित करेंगे।

#### अनुच्छेद 2

##### परिभाषाएं

(1) इस करार के प्रयोजनार्थ, जब तक विषयगत पाठ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “एक संबिदाकारी राज्य” और “दूसरा संबिदाकारी राज्य” पदों से विषयगत पाठ की अपेक्षा के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात अथवा भारत अभिप्रेत है;

(ख) “कर” शब्द से विषयगत पाठ की अपेक्षा के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात कर अथवा भारतीय कर अभिप्रेत है;

(ग) “भारत का उद्यम” पद से एयर इंडिया और इण्डियन एयर लाइन्स तथा भारत सरकार द्वारा नामजद कोई अन्य उद्यम अभिप्रेत है;

(घ) “संयुक्त अरब अमीरात का उद्यम” पद से गल्फ एयर और एमिरेट्स एयरलाइन्स तथा संयुक्त अरब अमीरात की सरकार द्वारा नामजद कोई अन्य उद्यम अभिप्रेत है;

(ङ) “अन्तरराष्ट्रीय यातायात” पद से अभिप्राय एक संबिदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा संचालित किसी वायुयान से किए गए परिवहन से है, केवल उस स्थिति की छोड़कर जब वायुयान की मात्र दूसरे संबिदाकारी राज्य में स्थित म्यानों के बीच ही चलाई जाना हो,

(च) “वायुयान परिचालन” पद से अभिप्रेत है—वायुयान के स्वामियों अथवा पट्टाधारियों अथवा अवकेताओं द्वारा यात्रियों, पशुओं मान अथवा डाक को वायुयान द्वारा लाने-ले-जाने का कारोबार, जिसमें अन्य उद्यमों की ओर से ऐसे परिवहन के लिए टिकटों की बिक्री, वायुयान का आनुषंगिक पट्टा और ऐसे परिवहन से प्रत्यक्ष सम्बन्ध कोई अन्य कार्यकलाप शामिल है;

(छ) “सक्षम प्राधिकारी” पद से अभिप्रेत है :—

(i) भारत के मामले में केन्द्रिय सरकार का वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अथवा उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि;

(ii) संयुक्त अरब अमीरात के मामले में वित्त तथा उद्योग मंत्री अथवा उनका प्राधिकृत प्रतिनिधि।

3. दोनों संबिदाकारी राज्यों में से किसी भी संबिदाकारी राज्य द्वारा इस करार के उपबंधों को लागू करने में प्रयुक्त किसी पद का, जिसे हमने परिभाषित नहीं किया गया है, जब तक कि विषयगत पाठ में अन्यथा अपेक्षित नहीं हो, अर्थ नहीं होगा, जो ऐसे करों के संबंध में उस राज्य में प्रवृत्त कानूनों के अन्तर्गत है जो इस करार के विषय हैं।

#### अनुच्छेद—3

##### बौद्धिक संपत्ति का परिहार

संयुक्त अरब अमीरात के किसी उद्यम द्वारा अन्तरराष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन में प्राप्त आय का भारत में, भारतीय कर से छूट प्राप्त होगी।

4. भारत के किसी उद्यम द्वारा अन्तरराष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन में प्राप्त आय का संयुक्त अरब अमीरात में, संयुक्त अरब अमीरात कर से छूट प्राप्त होगी।

3. पैराग्राफ 1 और .. के उपबंध किंता पुल, किसी संयुक्त बागेंदार अथवा किसी अन्तरराष्ट्रीय परिवालन एजेंसी में भागीदारी में प्राप्त आय पर भी लागू होंगे।

4. पैराग्राफ 1 और 2 के प्रयोजनार्थ अन्तराष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्रत्यक्ष संबंधित निधियों पर व्याज को ऐसे वायुयान के संचालन से प्राप्त हुई आय मंजूर जाएगा।

5. किसी संबिदाकारी राज्य के किसी उद्यम के स्वामित्व में तथा उक्त उद्यम द्वारा संचालित की वायुयान के अस्तमण से तथा उक्त उद्यम द्वारा ऐसे वायुयान के संचालन में प्रयुक्त किये गए अनिवार्य पुर्जों तथा उपकरणों के अस्तमण में प्राप्त अभिदाओं पर केवल उस राज्य में ही कर लगेगा।

6. अन्तरराष्ट्रीय यातायात में चलाए जाने वाले किसी वायुयान में सवार होकर किए गए किसी नियोजन के संबंध में प्राप्त खेन मजदूरी तथा अन्य पारिश्रमिक पर केवल उर्मा संबिदाकारी राज्य में कर लगेगा जहां पर वायुयान के परिवहन के साथ-साथ उसका नियंत्रण भी होता है, बगल कि संबंधित कर्मचारी का उक्त दूसरे संबिदाकारी राज्य के कर कानूनों के अनुसार दूसरे राज्य में निवास नहीं हो।

#### अनुच्छेद—4

##### अवशिष्ट उपबंध

दोनों संबिदाकारी राज्यों में प्रवृत्त कानून दोनों संबिदाकारी राज्यों में कर-निर्धारण तथा आय पर करारधान किए जाने के बारे में बने रहेंगे बगल कि इस करार में उनके विपरीत कोई स्पष्ट उपबंध न किया गया हो।

#### अनुच्छेद—5

##### पारस्परिक करार कार्यविधि

1. संबिदाकारी राज्यों के सक्षम प्राधिकारी इस करार के अर्थनिरूपण में अथवा उसको लागू करने में उत्पन्न होने वाली किसी प्रकार की कठिनाइयों अथवा शंकाओं का समाधान पारस्परिक सहमति द्वारा करने का प्रयास करेंगे।

2. एक संबिदाकारी राज्य के किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस अनुच्छेद को लागू करने अथवा उसके अर्थनिरूपण के प्रयोजनार्थ परामर्श करने हेतु किसी भी समय अनुरोध किया जा सकता है। ऐसे अनुरोध के प्राप्त होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर, ऐसा परामर्श शुरू होगा और निर्णय पारस्परिक सहमति द्वारा लिया जाएगा।

#### अनुच्छेद—6

##### करार को लागू करना

1. प्रत्येक राज्य इस करार को लागू करने के लिए अपने-अपने कानून न अपेक्षित प्रक्रिया के पूर्ण होने के बारे में एक-दूसरे को अधिसूचित करेगा। यह करार, इन अधिसूचनाओं में से बाद में दी गई अधिसूचना के मातृ के बाद में पडने वाले दूसरे मातृ की प्रथम तारीख को प्रभावी होगा।

2 इस करार के उपबंधों का प्रभाव जनवरी, 1971 के प्रथम दिन को अथवा उसके पश्चात् उद्भूत हुई आय के संबंध में पड़ेगा।

3. किनांक 1 जनवरी, 1971 से पहले की अवधि के संबंध में कर-निर्धारणों को पुनः शुरू करने के संबंध में कोई सभी कार्यवाही नहीं की जाएगी।

4 यदि कोई संबिवाकारी राज्य दूसरे संबिवाकारी राज्य के किमो उद्यम द्वारा वायुयान के संचालन से प्राप्त हुई आय पर ऊपर उल्लिखित अवधि के लिए कर की वसूली करता है तो प्रथमोल्लिखित संबिवाकारी राज्य के कानूनों के अनुसार ऐसे करों की, ब्याज सहित, यदि कोई हो, वापसी की जाएगी।

अनुच्छेद—7

पर्यवसान

यह करार बालन में अनिश्चितकाल तक लागू रहेगा पञ्च दोनों संबिवाकारी राज्य वर्ष 1993 के पश्चात् किसी भी कैलेंडर वर्ष में जून माह के तीसरे दिन को अथवा उसके पहले, दूसरे संबिवाकारी राज्य को इसके पर्यवसान का नोटिस दे सकेगा और ऐसी स्थिति में यह करार निष्प्रभावी हो जाएगा।

(क) संयुक्त अरब अमीरात में, जिस वर्ष में नोटिस दिया जाता है, उस वर्ष के दूसरे कैलेंडर वर्ष के जनवरी माह के प्रथम दिन को अथवा उसके पश्चात् आरम्भ होने वाले किसी भी कर-वर्ष के संबंध में;

(ख) भारत में, जिस वर्ष में नोटिस दिया जाता है, उस वर्ष के बाद पड़ने वाले दूसरे कैलेंडर वर्ष के अप्रैल माह के प्रथम दिन को अथवा उसके पश्चात् आरम्भ होने वाले किसी भी कर-निर्धारण वर्ष के संबंध में।

जिसके साक्ष्य में, विधिवत प्राधिकृत अधोहस्ताक्षरियों ने इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

नई दिल्ली में एक हजार नौ सौ नवासी के मार्च माह के तीसरे दिन को हिन्दी, अरबी तथा अंग्रेजी भाषाओं में दो-दो मूल प्रान्तों में निष्पन्न किया गया, जिसके सभी पाठ समान रूप में प्रामाणिक हैं। इस करार के अर्थनिरूपण में तथा इसे लागू करने के संबंध में किसी भी विवाद की दशा में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

भारत गणराज्य की	संयुक्त अरब अमीरात की
सरकार की ओर से	सरकार की ओर से
पी. के. अण्णाडू, संयुक्त सचिव,	मोहम्मद खलफान खिरबाश, निवेशक,
भारत सरकार	निवेश विभाग,
	वित्त तथा उद्योग मंत्रालय,
	संयुक्त अरब अमीरात

[सं. 8490/फा. स./501/1/88-एफ. टी. डी.]

पी. के. अण्णाडू, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

FOREIGN TAX DIVISION

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1989

INCOME-TAX

G.S.R. 969(E).—Whereas the annexed Agreement between the Government of the Republic of India and the Government of the United Arab

Emirates for the avoidance of double taxation of income derived from the international air transport will enter into force on 1-12-1-989 on the notification by both the Contracting States to each other of the completion of the procedures required by their respective laws, as required by Article 6 of the said Agreement;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby directs that all the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

## ANNEXURE

### Agreement Between

The Government of the Republic of India and the Government of the United Arab Emirates for the Avoidance of Double Taxation of Income Derived from the International Air Transport

The Government of the Republic of India and the Government of United Arab Emirates,

Desiring to conclude an Agreement for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport,

Have agreed as follows :—

### Article 1

#### Taxes Covered

1. The taxes to which this Agreement shall apply are :

(a) In the case of the United Arab Emirates, the income tax as imposed by Federal Government of the United Arab Emirates, (hereinafter referred to as "United Arab Emirates Tax")

(b) In the case of India :—

(i) the income tax including any surcharge thereon; and

(ii) the surtax.

(hereinafter referred to as "Indian Tax").

2. This agreement shall also apply to any identical or substantially similar taxes on income which are imposed at Federal or State level by either Contracting State in addition to, or in place of, the taxes referred to in paragraph 1 of this Article. The competent authorities of the Contracting States shall notify each other of any substantial changes which are made in their respective taxation laws.

## Article 2

## Definitions

1. For the purpose of this Agreement, unless the context otherwise requires :—

- (a) The term “a Contracting State” and “the other Contracting State” means the United Arab Emirates or, India as the context requires;
- (b) The term “tax” means United Arab Emirates tax or Indian tax as the context requires;
- (c) The term “enterprise of India” means Air India and Indian Airlines and any other enterprises designated by the Government of India;
- (d) The term “enterprise of The United Arab Emirates” means Gulf Air and Emirates Airlines and any other enterprises designated by the Government of the United Arab Emirates;
- (e) The term “international traffic” means any transport by an aircraft operated by an enterprise of a Contracting State, except when the aircraft is operated solely between places in the other Contracting State;
- (f) The expression “operation of aircraft” means business of carriage by air of passengers, livestock, goods or mail carried on by the owners or lessees or charterers of aircraft including the sale of tickets for such transportation on behalf of other enterprises, the incidental lease of aircraft and any other activity directly connected with such transportation.
- (g) The term “competent authority” means :
  - (i) in the case of India, the Central Government in the Ministry of Finance (Department of Revenue) or its authorised representative;
  - (ii) in the case of United Arab Emirates. The Minister of Finance and Industry or his authorised representative.

2. In the application of the provisions of this Agreement by one of the Contracting States, any term not defined herein shall, unless the context otherwise requires, have the meaning which it has under the laws in force in that State relating to the taxes which are the subject of this Agreement.

## Article 3

## Avoidance of double taxation

1. Income which an enterprise of United Arab Emirates derives from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted in India from Indian tax.

2. Income which an enterprise of India derives from the operation of aircraft is international traffic shall be exempted in United Arab Emirates from United Arab Emirates tax.

3. The provisions of paragraphs 1 and 2 shall also apply to income from the participation in a pool, a joint business or an international operating agency.

4. For the purpose of paragraphs 1 & 2, interest on funds directly connected with the operation of aircraft in international traffic shall be regarded as income from the operation of such aircraft.

5. Gains derived by an enterprise of a Contracting State from the alienation of aircraft owned and operated by the enterprise including gains from the alienation of spares and equipment used by the enterprise in the operation of such aircraft shall be taxable only in that State.

6. Salaries, wages and other remuneration in respect of an employment exercised aboard an aircraft operated in international traffic shall be taxable only in Contracting State where the air transport enterprise is managed and controlled, provided that the employee concerned is not a resident in the other Contracting State in accordance with the tax laws of that other State.

## Article 4

## Residual Provisions

The laws in force in either of the Contracting States will continue to govern the assessment and taxation of income in the Contracting States except where express provision to the contrary is made in Agreement.

## Article 5

## Mutual Agreement Procedure

1. The competent authorities of the Contracting States shall endeavour to resolve by mutual agreement any difficulties or doubts arising as to the interpretation or application of the Agreement.

2. Consultation may be requested at any time by the competent authority of a Contracting State for the purpose of application or interpretation of the Article. Such consultation shall begin within 90 days from the date of receipt of any such request and decisions shall be by mutual consent.

## Article 6

## Entry into force

1. Each State shall notify to the other the completion of the procedure required by its law for the bringing into force of this Agreement. The Agreement shall enter into force the first day of the second month following the month in which the latter of these notifications has been given.

2. The provisions of this Agreement shall have effect in respect of income derived on or after the 1st day of January, 1971.

3. No action would be taken to reopen assessments in respect of the period prior to the 1st day of January, 1971.

4. In case a Contracting State collects taxes relating to the above mentioned period, on income derived from the operation of aircraft by an enterprise of the other Contracting State, then such taxes shall be refunded together with interest if any, in accordance with the laws of the first mentioned Contracting State.

#### Article 7

##### Termination

This Agreement shall continue in effect indefinitely but either Contracting State may, on or before the thirtieth day of June in any calendar year after the year 1993, give notice of termination to the other Contracting State and in such event this Agreement shall cease to be effective :—

- (a) in the United Arab Emirates in respect of any tax year commencing on or after the 1st day of January of the second calendar year following the year in which the notice is given;

- (b) In India in respect of any assessment year commencing on or after the 1st day of April of the second calendar year following the year in which the notice is given.

In witness whereof, the undersigned, duly authorised thereto have signed this Agreement.

Done at New Delhi this third day of March one thousand nine hundred and eighty nine in two originals in the Hindi, Arabic and English languages, all texts being equally authentic. In case of dispute as to interpretation and application of this Agreement, the English text shall prevail.

For the Government of the  
Republic of India

P. K. APPACHOO, Jt. Secy.  
to the Govt. of India,  
Ministry of Finance

For the Government of the  
United Arab Emirates

MOHAMED KHALFAN KHIRBASH, Director  
of Investment Department,  
Ministry of Finance and Industry  
[No. 8490/F.No. 501/1/88-FTD]  
P. K. APPACHOO, Jt. Secy.

